



Mr.nimit jain



Ms.prachi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120714501

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
11/09/1994 :	जन्म तिथि	: 03/05/1996
रविवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 13:50:00 :	जन्म समय	: 08:45:00 घंटे
घटी 19:30:05 :	जन्म समय(घटी)	: 07:53:41 घटी
India :	देश	: India
Saharanpur :	स्थान	: Chhindwara
29:58:00 उत्तर :	अक्षांश	: 22:04:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:14:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:01:58 :	सूर्योदय	: 05:41:19
18:30:36 :	सूर्यास्त	: 18:41:02
23:47:12 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:25
धनु :	लग्न	: मिथुन
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
वृश्चिक :	राशि	: तुला
मंगल :	राशि-स्वामी	: शुक्र
अनुराधा :	नक्षत्र	: स्वाति
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
2 :	चरण	: 3
विष्कुम्भ :	योग	: व्यतिपात
गर :	करण	: बव
नी-नीरज :	जन्म नामाक्षर	: रो-रोहिणी
कन्या :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष
विप्र :	वर्ण	: शूद्र
कीटक :	वश्य	: मानव
मृग :	योनि	: महिष
देव :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: अन्त्य
सर्प :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
शनि 9वर्ष 10मा 25दि
केतु

07/08/2021

06/08/2028

केतु	03/01/2022
शुक्र	05/03/2023
सूर्य	11/07/2023
चन्द्र	09/02/2024
मंगल	07/07/2024
राहु	25/07/2025
गुरु	01/07/2026
शनि	10/08/2027
बुध	06/08/2028

अंश

04:34:18
24:35:28
09:43:00
22:26:26
16:51:01
17:41:07
09:11:08
14:29:37
22:43:43
22:43:43
28:46:40
26:54:35
01:51:56

राशि

धनु
सिंह
वृश्चि
मिथु
कन्या
तुला
तुला
कुंभ व
तुला
मेष
धनु व
धनु व
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप व
प्लूटो व

राशि

मिथु
मेष
तुला
मेष
वृष
धनु
वृष
मीन
कन्या
मीन
मक
मक
वृश्चि

अंश

05:24:25
19:10:04
14:32:41
06:28:29
04:48:28
23:50:42
29:28:04
09:07:04
23:14:44
23:14:44
10:45:50
03:56:33
08:27:25

विंशोत्तरी
राहु 7वर्ष 4मा 11दि
शनि

14/09/2019

14/09/2038

शनि	17/09/2022
बुध	27/05/2025
केतु	06/07/2026
शुक्र	04/09/2029
सूर्य	17/08/2030
चन्द्र	17/03/2032
मंगल	26/04/2033
राहु	02/03/2036
गुरु	14/09/2038

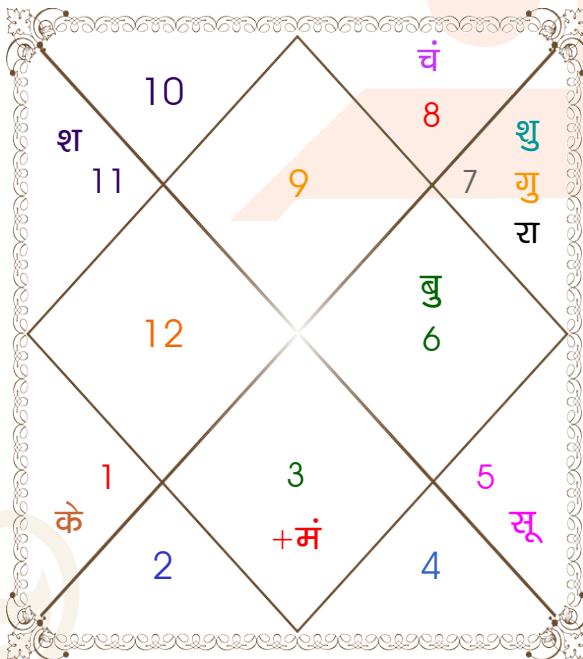
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

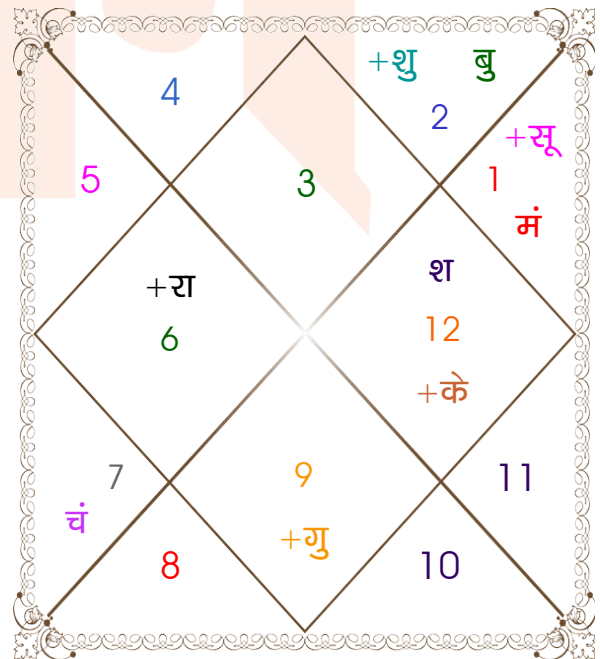
राहु : स्पष्ट

23:47:12 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:25

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Jyotishacharya Rahul Dixit

Dixit Tower, Infront of AkashWani, Patan Road, Karmeta, Jabalpur (M.P.)

7415300300, 9329885341

Ptrahuldixit@gmail.com

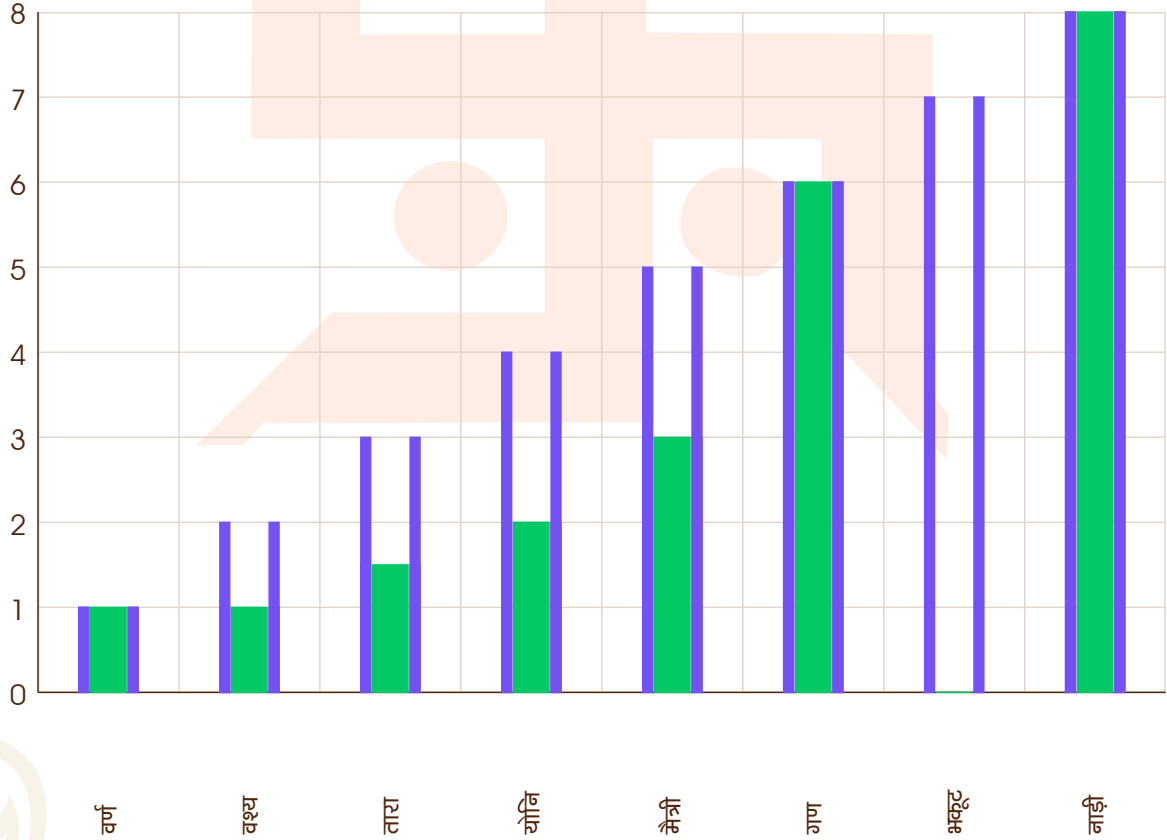
अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36 22.50

कुल : 22.5 / 36



Jyotishacharya Rahul Dixit

Dixit Tower, Infront of AkashWani, Patan Road, Karmeta, Jabalpur (M.P.)

7415300300, 9329885341

Ptrahuldixit@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.nimit jain का वर्ग सर्प है तथा Ms.prachi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.nimit jain और Ms.prachi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.nimit jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr.nimit jain कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.prachi मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.prachi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.nimit jain तथा Ms.prachi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.nimit jain का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.prachi का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ms.prachi सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Ms.prachi एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Mr.nimit jain का वश्य कीट है एवं Ms.prachi का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट Mr.nimit jain एवं मनुष्य Ms.prachi के विवाह को स्वीकार्य है किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। Mr.nimit jain एवं Ms.prachi बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

Mr.nimit jain की तारा विपत तथा Ms.prachi की तारा मित्र है। Mr.nimit jain की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.nimit jain एवं Ms.prachi के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms.prachi हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms.prachi को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr.nimit jain की योनि मृग है तथा Ms.prachi की योनि महिष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.nimit jain एवं Ms.prachi दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr.nimit jain का गण देव तथा Ms.prachi का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.nimit jain से Ms.prachi की राशि द्वादश भाव में स्थित है Ms.prachi से Mr.nimit jain की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Mr.nimit jain परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Ms.prachi का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Ms.prachi की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Ms.prachi तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसे को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों

के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Mr.nimit jain की नाड़ी मध्य है तथा Ms.prachi की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Mr.nimit jain एवं Ms.prachi के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.nimit jain की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Ms.prachi की वायुतत्व युक्त तुला राशि है। वायु एवं जल में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Mr.nimit jain और Ms.prachi के मध्य स्वाभाविक असमानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन में परेशानी की अनुभूति करेंगे। अतः यह मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

Mr.nimit jain की राशि का स्वामी मंगल तथा Ms.prachi की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम राशि में स्थित है। इसके प्रभाव से Mr.nimit jain और Ms.prachi दोनों का परस्पर उदासीन भाव रहेगा इससे दोनों के संबंध सामान्य रहेंगे तथा न इनमें अधिक कटुता रहेगी तथा न ही कोई विशेष मधुरता। तथापि परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति से आपस में सदभाव तथा सहानुभूति बनी रहेगी एवं एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग प्रदान करते रहेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी।

Mr.nimit jain एवं Ms.prachi की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से इनके मध्य शारीरिक मानसिक तथा अन्य विषमताएं विद्यमान होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर वैमनस्य तथा विरोध के भाव में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे को श्रेष्ठ समझने की प्रवृत्ति से आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी रहेगा। फलतः वैवाहिक जीवन में अशांति तथा कटुता बनी रहेगी।

Mr.nimit jain का वश्य कीट तथा Ms.prachi का वश्य मानव है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताओं में भी विषमता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.nimit jain का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.prachi का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमता भी अलग अलग होगी। Mr.nimit jain शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों में रुचिशील होंगे लेकिन Ms.prachi की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को बिना किसी चुनाव के परिश्रम पूर्वक करने की रहेगी।

धन

Mr.nimit jain और Ms.prachi दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr.nimit jain और Ms.prachi दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता

बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Mr.nimit jain की प्रवृत्ति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि Mr.nimit jain को ऐसी प्रवृत्तियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr.nimit jain मध्य नाड़ी तथा Ms.prachi अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु Ms.prachi के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। Ms.prachi सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Ms.prachi को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Mr.nimit jain और Ms.prachi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Mr.nimit jain और Ms.prachi को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Mr.nimit jain और Ms.prachi के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms.prachi का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms.prachi के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms.prachi सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Mr.nimit jain और Ms.prachi को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Mr.nimit jain और Ms.prachi का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms.prachi तथा उसकी सास के परस्पर संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms.prachi धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृत्ति का अनुसरण करें तो सास से संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms.prachi के संबंध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृत्ति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्द्विता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms.prachi का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.nimit jain के अपनी सास से सामान्य संबंध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Mr.nimit jain अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Mr.nimit jain का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Mr.nimit jain का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्द्विता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Mr.nimit jain तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Mr.nimit jain के संबंध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।